

## Teaching Learning Process MCQ Question 1

✓ **Micro-teaching is**

1. Scaled down teaching
2. Effective teaching
3. Evaluation teaching
4. Real teaching

✓ **सूक्ष्म शिक्षण है**

1. शिक्षण में कमी
2. प्रभावी शिक्षण
3. मूल्यांकन शिक्षण
4. वास्तविक शिक्षण

विकल्प 1: शिक्षण को छोटा किया गया

### शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 1 विस्तृत समाधान

✓ **सूक्ष्म शिक्षण:**

- शिक्षकों में शिक्षण कौशल के विकास के लिए सूक्ष्म शिक्षण को एक प्रभावी तकनीक माना गया है।
- ✓ सूक्ष्म शिक्षण शिक्षण कौशल विकसित करने के लिए अनुकरण तकनीक की तरह है।
- ✓ इस दृष्टिकोण का उपयोग प्रभावी प्रतिक्रिया तंत्र के आधार पर शिक्षक के व्यवहार को आकार देने के लिए किया जाता है।



**प्रमुख बिंदु** जैसा कि शब्द ही इंगित करता है, सूक्ष्म शिक्षण एक छोटा शिक्षण है जिसमें शिक्षक एक छोटी अवधि के लिए छात्रों के एक छोटे समूह को एक छोटा पाठ पढ़ाता है। एक समय में एक शिक्षण कौशल का अभ्यास किया जाता है। इस प्रकार सूक्ष्म शिक्षण शिक्षण का एक लघु रूप है जिसमें एक विशिष्ट शिक्षण कौशल विकसित करने पर ध्यान देने के साथ कक्षा के आकार, समय, जटिलता और गतिविधियों के संदर्भ में शिक्षण को छोटा किया जाता है।



### कन्फ्यूजन पॉइंट्स

Misconception  
Misconception

सूक्ष्म शिक्षण में मान्यताएँ: सूक्ष्म शिक्षण में निम्नलिखित आवश्यक मान्यताएँ हैं:

- ✓ सूक्ष्म शिक्षण वास्तविक शिक्षण है लेकिन इसका उद्देश्य शिक्षकों में शिक्षण कौशल विकसित करना है न कि छात्रों की क्षमताओं का विकास करना।
- ✓ सूक्ष्म शिक्षण एक गैर-जटिल वातावरण (एक जटिल कक्षा वातावरण के विपरीत) के तहत किया जाता है,
- ✓ सूक्ष्म शिक्षण अधिगम में महारत सुनिश्चित करता है। शिक्षक कौशल का अभ्यास तब तक करता है जब तक कि वह अपने व्यवहार में पूर्णता प्राप्त नहीं कर लेता।
- ✓ सूक्ष्म शिक्षण अभ्यास करने वाले शिक्षकों में उच्च स्तर का नियंत्रण लाता है
- ✓ सूक्ष्म शिक्षण प्रशिक्षण के लिए एक अत्यधिक व्यक्तिगत दृष्टिकोण है, और
- ✓ सूक्ष्म शिक्षण एक प्रभावी प्रतिक्रिया तंत्र पर अत्यधिक निर्भर करता है।

इसलिए, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि सूक्ष्म शिक्षण एक छोटा शिक्षण है।



संकेत

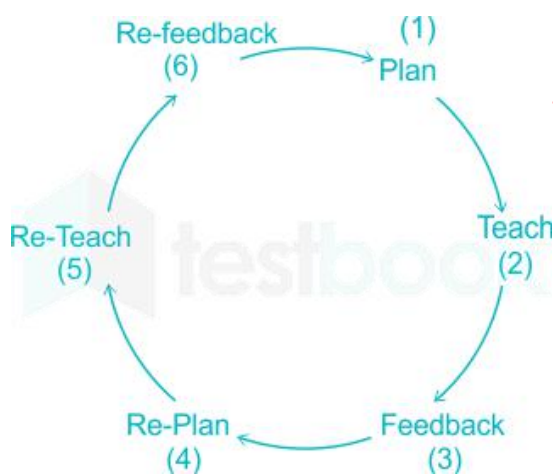
- ✓ "सूक्ष्म शिक्षण एक वास्तविक शिक्षण है" यह सूक्ष्म शिक्षण में एक धारणा है क्योंकि इसका छात्रों के सीखने से कोई लेना-देना नहीं है। यह पूरी तरह से शिक्षकों के शिक्षण कौशल पर केंद्रित है।



है।

### अतिरिक्त जानकारी

- ✓ इस तकनीक में, छात्र-शिक्षक को शिक्षण के एक विशेष पहलू पर ध्यान केंद्रित करते हुए छात्रों के एक छोटे समूह को 15-20 मिनट तक पढ़ाने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए सेट इंडक्शन का कौशल, प्रश्न करने का कौशल, ब्लैकबोर्ड लेखन का कौशल आदि।



✓  
Micro

Option 1 : Scaled down teaching

### Teaching Learning Process MCQ Question 1 Detailed Solution

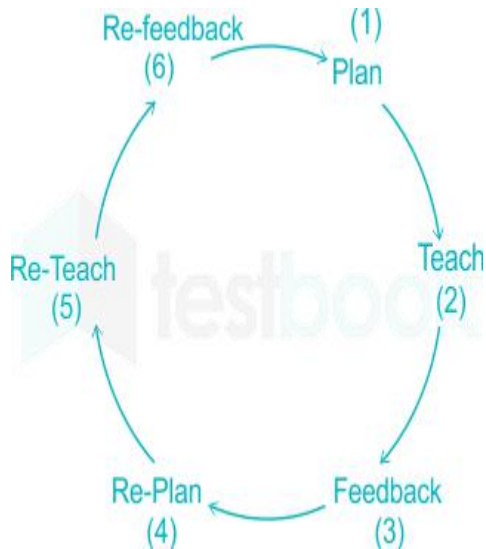
**Microteaching:** ✓

- ✓ Microteaching has been considered an effective technique for the development of teaching skills in teachers.
- Microteaching is like the simulation technique for developing teaching skills.
- This approach is used to shape the teacher's behavior based on an effective feedback mechanism.



## Additional Information

- In this technique, the student-teacher is required to teach a small group of students for up to 15-20 minutes, focusing on a particular aspect of teaching. E.g. Skill of set induction, Skill of Questioning, Skill of Blackboard Writing, etc.



## Teaching Learning Process MCQ Question 2 ✓

✓ Which step is prominent in the syntax of teaching model of memory level and understanding level ?

1. Planning
2. Exploration
3. Generalization
4. Presentation

स्मृति स्तर और समझ के स्तर के शिक्षण मॉडल के सिंटेक्स में कौन सा चरण प्रमुख है?

1. योजना
2. अन्वेषण
3. सामान्यकरण
4. प्रस्तुतीकरण ✓

विकल्प 4: प्रस्तुति

## शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 2 विस्तृत समाधान

शिक्षण तीन स्तरों पर उत्तरोत्तर होता है- शिक्षण का स्मृति स्तर, शिक्षण का समझ स्तर और शिक्षण का चिंतनशील स्तर।

- शिक्षकों को शिक्षार्थियों के विकास के चरण को ध्यान में रखना चाहिए ताकि वांछित शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके।



### महत्वपूर्ण बिंदु

शिक्षण-अधिगम के तीन पहचान योग्य स्तर:

- ✓ स्मृति स्तर: यह वह जगह है जहाँ याद करने और मान्यता की सरल प्रक्रियाओं पर जोर दिया जाता है।
- ✓ समझ का स्तर: यह वह है जहाँ रिश्ते या अंतर्दृष्टि को देखने पर जोर दिया जाता है।
- ✓ चिंतनशील स्तर: यह वह जगह है जहाँ आलोचनात्मक सोच या समस्या समाधान मुख्य चिंता का विषय है।



### प्रमुख बिंदु

स्मृति स्तर और समझ के स्तर के शिक्षण मॉडल के सिंटेक्स में प्रस्तुति चरण प्रमुख है। यह सबसे महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि यह विषय वस्तु को प्रमुख दर्जा देता है।

प्रस्तुति चरण में:

- ✓ शिक्षक शिक्षार्थियों के सामने एक इंटरैक्टिव तरीके से नए ज्ञान का परिचय देता है।
- ✓ शिक्षक शिक्षार्थियों के पिछले ज्ञान को ज्ञान के एक नए सेट से जोड़ने का प्रयास करता है।
- ✓ शिक्षक का मानना है कि जब कोई विषय छात्रों के सामने ठीक से प्रस्तुत किया जाता है तो वे उन्हें सुसंगत तरीके से सीखते हैं।

इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पी **resentation कदम प्रमुख** है स्मृति स्तर और समझ के स्तर के शिक्षण मॉडल की वाक्य रचना में।

Option 4 : Presentation

## Teaching Learning Process MCQ Question 2 Detailed Solution

**Teaching takes place at three levels** progressively- memory level of teaching, understanding level of teaching, and reflective level of teaching.

- Teachers must keep in mind the developmental stage of the learners so that desired educational objectives can be achieved.



### Important Points

**Three identifiable levels of teaching-learning:**

- ✓ • **Memory level:** It is that where simple processes of recall and recognition are insisted.
- ✓ • **Understanding level:** It is one where seeing of relationship or insight is stressed.
- ✓ • **Reflective level:** It is that where critical thinking or problem solving is the chief concern.

*Key word*



### Key Points

**Presentation step is prominent** in the syntax of the teaching model of memory level and understanding level. It is the most important step as it gives the **major status to the subject matter**.

**In the Presentation Step:**

- The teacher introduces new knowledge in an interactive manner before the learners.
- The teacher tries to connect the previous knowledge of the learners with a new set of knowledge.

- The teacher believes that when any topic is presented properly to the students they learn them in a coherent way.

Hence, it could be concluded that the **presentation step is prominent** in the syntax of the teaching model of memory level and understanding level.

### Teaching Learning Process MCQ Question 3

In which of the following skill, testing of previous knowledge comes ?

1. Skill of demonstration
2. Skill of introduction
3. Skill of stimulus variation
4. Skill of closure

निम्नलिखित में से किस कौशल में पूर्व ज्ञान की परीक्षा आती है ?

1. प्रदर्शन का कौशल
2. परिचय का कौशल ✓
3. उत्तेजना भिन्नता का कौशल
4. बंद करने का कौशल

विकल्प 2: परिचय का कौशल

### शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 3 विस्तृत समाधान

माइक्रो टीचिंग एक शिक्षक प्रशिक्षण तकनीक है जिसका उपयोग कम समय में छात्रों के छोटे समूह को सामग्री की एक छोटी इकाई के शिक्षण द्वारा शिक्षण कौशल की प्राप्ति को मापने के लिए किया जाता है।

- माइक्रो-टीचिंग शिक्षक शिक्षा में सबसे प्रभावशाली नवाचारों में से एक है। यह पारंपरिक शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ कमियों के आंशिक समाधान के रूप में उभरा।
- सूक्ष्म शिक्षण में अंतर्निहित अवधारणा यह मानती है कि शिक्षण में विभिन्न कौशल होते हैं। शिक्षण अभ्यास विशिष्ट कौशल के अधिग्रहण पर ही प्रभावी हो जाता है।





## प्रमुख बिंदु

- पिछले ज्ञान का परीक्षण इस कौशल के रूप में परिचय के कौशल के अंतर्गत आता है :
  - शिक्षक छात्रों से प्रश्न पूछकर उनके पिछले ज्ञान का परीक्षण करता है ।
  - शिक्षक खोज अधिगम को प्रोत्साहित करके बच्चे को अपने स्वयं के अनुभवों से जोड़ता है ।
  - शिक्षक उनके पिछले ज्ञान को सक्रिय करके उन्हें नए अध्याय से जोड़ने का प्रयास करता है ।

इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पिछले ज्ञान का परीक्षण परिचय के कौशल के अंतर्गत आता है ।



## अतिरिक्त जानकारी

सूक्ष्म शिक्षण के अन्य कौशल:

- ✓ निर्देशात्मक उद्देश्यों को लिखने का कौशल
- ✓ परिचय का कौशल एक सबक
- ✓ ब्लैकबोर्ड लेखन का कौशल
- ✓ प्रश्न पूछने में प्रवाह का कौशल
- ✓ पूछताछ की जांच करने का कौशल
- ✓ समझाने का हुनर
- ✓ प्रदर्शन का कौशल
- ✓ सुदृढीकरण का कौशल
- ✓ समापन हासिल करने का कौशल

Option 2 : Skill of introduction

## Teaching Learning Process MCQ Question 3 Detailed Solution

Microteaching is a teacher training technique used to **measure the attainment of teaching skills by** the teaching of a small unit of content to the small group of students in a small amount of time.

- Micro-teaching is one of the most influential innovations in teacher education. It emerged as a **partial solution to some of the inadequacies of the traditional teacher-training program.**
- The concept underlying micro-teaching assumes that **teaching consists of various skills.** Teaching practice becomes effective only on the acquisition of specific skills.



### Key Points

- Testing of previous knowledge comes under the **skill of introduction as in this skill:**
  - the teacher **tests the previous knowledge of the students** by asking them questions.
  - the teacher **connects the child with their own experiences** by encouraging discovery learning.
  - the teacher tries to connect them with the new chapter by **activating their previous knowledge.**

Hence, it could be concluded that testing of previous knowledge comes under the **skill of introduction.**



## Additional Information

### Other Skills of Microteaching: ✓

2022

- Skill of writing instructional objectives
- Skill of introduction a lesson
- Skill of Blackboard writing
- Skill of fluency in questioning
- Skill of probing questioning
- Skill of explaining
- Skill of demonstration
- Skill of reinforcement
- Skill of Achieving closure

## Teaching Learning Process MCQ Question 4

Morrison has described five steps in his teaching model at understanding level which are

- I. Presentation ✓
- II. Exploration ✓
- III. Organisation ✓
- IV. Assimilation ✓
- V. Recitation ✓

The correct sequence is

1. I, II, III, IV, V
2. II, I, IV, III, V
3. IV, V, III, I, II
4. II, I, III, IV, V

मॉरिसन ने अपने शिक्षण मॉडल में समझ के स्तर पर पाँच चरणों का वर्णन किया है जो हैं:

I. प्रस्तुति (2)

II. अन्वेषण (1)

III. संगठन (5)

iv मिलाना (3)

v. सस्वर पाठ (6)

सही क्रम है

1 I, II, III, IV, V

2 II, I, IV, III, V

3 IV, V, III, I, II

4 II, I, III, IV, V



विकल्प 2: II, I, IV, III, V

## शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 4 विस्तृत समाधान

प्रोफेसर एचसी मॉरिसन (1871- 1945), (शिकागो विश्वविद्यालय) ने अपने शिक्षण मॉडल में समझ के स्तर पर पांच चरणों का वर्णन किया है जिसमें शामिल हैं:

Please like Share & Subscribe-Easy Notes 4u Online Study

मॉरिसन के शिक्षण मॉडल के चरण	चरणों का विवरण
अन्वेषण ✓	इस चरण में शिक्षक <u>विद्यार्थियों के प्रवेश-स्तर के व्यवहार</u> (पिछला ज्ञान) को जानने का प्रयास करता है।

प्रस्तुतीकरण	विषय वस्तु का <u>अवलोकन</u> दिया गया है और छात्रों के साथ पूरी इकाई की <u>संरचना पर चर्चा</u> की गई है।
मिलाना ✓	इस चरण में, छात्र विषय वस्तु का गहराई से अध्ययन करते हैं और प्रस्तुत सामग्री को अपने आंतरिक स्व से जोड़ने का प्रयास करते हैं।
संगठन ✓	छात्र शिक्षक की सहायता के बिना अर्जित ज्ञान को व्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत करते हैं।
सस्वर पाठ ✓	यह चरण छात्रों द्वारा सीखी गई विषय-वस्तु की मौखिक अभिव्यक्ति से संबंधित है। वे पूरी सामग्री को फिर से देखते हैं।

इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि समझ के स्तर पर मॉरिसन के शिक्षण मॉडल में पांच चरणों का सही क्रम अन्वेषण, प्रस्तुति, आत्मसात, संगठन और सस्वर पाठ है।

Option 2 : II, I, IV, III, V

### Teaching Learning Process MCQ Question 4 Detailed Solution

**Professor H. C. Morrison** (1871- 1945), (the University of Chicago) has described **five steps in his teaching model** at the understanding level which include:

Steps of Morrison's Teaching Model	Description of steps
<b>Exploration</b> ✓	In this step, the teacher tries to know the students' entry-level behavior (previous knowledge)
<b>Presentation</b> ✓	The overview of the subject matter is given and the structure of the whole unit is discussed with the students.
<b>Assimilation</b> ✓	In this step, the students study the subject matter deeply and try to relate presented material to their internal self.
<b>Organization</b> ✓	The students present the acquired knowledge in a systematic manner without the help of teacher.
<b>Recitation</b> ✓	This step is related to the students' verbal expression of the subject matter which is learned by them. They revisit the whole content.

Please like Share & Subscribe-Easy Notes 4u Online Study

Hence, it could be concluded that the correct sequence of five steps in Morrison's teaching model at the understanding level is **Exploration, Presentation, Assimilation, Organization, and Recitation.**

### Teaching Learning Process MCQ Question 5

Total time taken in Indian Model of Micro Teaching is

1. 30 minute
2. 40 minute
3. 36 minute
4. 45 minute



माइक्रो टीचिंग के भारतीय मॉडल में लिया गया कुल समय है

1. 30 मिनट
2. 40 मिनट
3. 36 मिनट
4. 45 मिनट

विकल्प 3 : 36 मिनट

## शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 5 विस्तृत समाधान

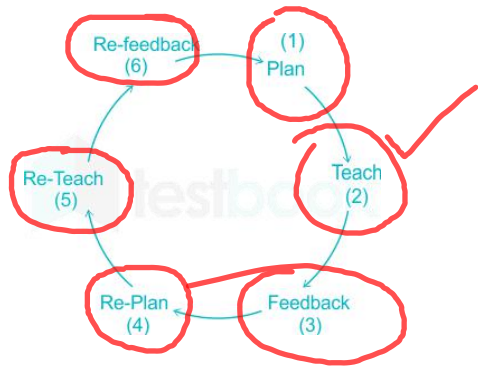
सूक्ष्म शिक्षण को लघु शिक्षण के रूप में परिभाषित किया जाता है जहां इसे कक्षा के समय के आकार में छोटा किया जाता है और एक विशिष्ट शिक्षण कौशल पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।



### प्रमुख बिंदु

- ✓ माइक्रो-टीचिंग की अवधारणा एक प्रशिक्षण अवधारणा है जिसे शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में विभिन्न सेवा-पूर्व और सेवाकालीन चरणों में लागू किया जा सकता है।
- ✓ सूक्ष्म शिक्षण सत्र में एक छात्र शिक्षक, कक्षा प्रशिक्षक (या स्कूल पर्यवेक्षक जो छात्र-शिक्षक को प्रतिक्रिया प्रदान करता है), और साथियों का एक छोटा समूह शामिल होता है।
- ✓ ये सत्र छात्र शिक्षकों को छात्रों के साथ अभ्यास में लाने से पहले एक नकली वातावरण में अपनी शिक्षण तकनीकों का अभ्यास और पॉलिश करने की अनुमति देते हैं।
- ✓ एनसीईआरटी द्वारा विकसित माइक्रो टीचिंग के भारतीय मॉडल में माइक्रो टीचिंग की अवधि इस प्रकार है:
  - पढ़ाना - 6 मिनट ✓
  - प्रतिक्रिया - 6 मिनट ✓
  - पुनः योजना - 12 मिनट ✓
  - फिर से पढ़ाना - 6 मिनट ✓
  - पुनः प्रतिक्रिया - 6 मिनट ✓
  - कुल - 36 मिनट

सूक्ष्म शिक्षण के छह चरण हैं जो इस प्रकार हैं -



इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सूक्ष्म शिक्षण के भारतीय मॉडल में लिया गया कुल समय **36 मिनट** है।

Option 3 : 36 minute

## Teaching Learning Process MCQ Question 5 Detailed Solution

**Micro-teaching** is defined as teaching in miniature where it is **scaled down in size** of the class time and task with focus on a specific teaching skill.



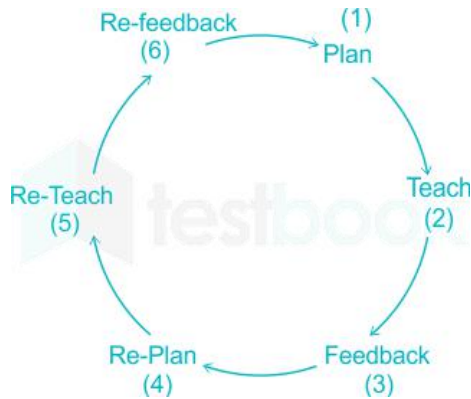
### Key Points

- The concept of micro-teaching is a training concept that can be applied at various pre-service and in-service stages in the professional development of teachers.
- **Microteaching sessions involve one student teacher, the class instructor** (or school supervisor who provides feedback to the student-teacher), **and a small group of peers.**
- These sessions allow student teachers to practice and polish their teaching techniques in a simulated environment before putting them into practice with students.
- In the **Indian model of micro-teaching**, developed by NCERT the **duration of Micro Teaching is as under:**
  - Teach - 6 minutes ✓
  - Feedback - 6 minutes ✓
  - Re-plan - 12 minutes ✓
  - Re-teach - 6 minutes ✓



- Re-feedback - 6 minutes
- **Total - 36 minutes** ✓

There are six steps of micro-teaching which are as follows -



Hence, it could be concluded that total time taken in the Indian Model of Micro Teaching is **36 minutes**.

### Teaching Learning Process MCQ Question 6 ✓

If a teacher finds a problematic child in the class, what should he does ?

1. Send the child back to home immediately
2. Ignore the child
3. Punish the child
4. **Provide counselling to the child**

यदि शिक्षक को कक्षा में कोई समस्यात्मक बच्चा मिले तो उसे क्या करना चाहिए ?

1. बच्चे को तुरंत घर भेजो
2. बच्चे को अनदेखा करें
3. बच्चे को सजा दो
4. **बच्चे को परामर्श प्रदान करें** ✓

विकल्प 4: बच्चे को परामर्श प्रदान करें

## शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 6 विस्तृत समाधान

समस्याग्रस्त बच्चे वे बच्चे होते हैं जिन्हें पालना या शिक्षित करना मुश्किल होता है। उनमें वर्ग को बाधित करने की प्रवृत्ति होती है क्योंकि वे आत्म-नियंत्रित नहीं होते हैं। इसके अलावा, वे अपने असामाजिक व्यवहार के लिए बदनाम हैं।

- शिक्षक को छात्रों से जुड़ी कई समस्याओं से निपटना पड़ता है क्योंकि हर शैक्षिक कार्यक्रम में व्यवहार की कई समस्याओं वाले बच्चे पाए जाते हैं।



Please like Share & Subscribe-Easy Notes 4u Online Stud

### प्रमुख बिंदु

उपर्युक्त स्थिति में, शिक्षक चाहिए बच्चे को provide परामर्श के रूप में यह शिक्षक के लिए मदद मिलेगी:

- ✓ बच्चे के प्रति अधिक सतर्क हो जाएं।
  - बच्चे की समस्या की जड़ को पहचानें।
  - बच्चे के अस्वीकार्य व्यवहार से बेहतर संबंध।
- ✓ सही तरीके से उचित मार्गदर्शन के साथ बच्चे की सहायता करें।

इसलिए यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है अगर एक शिक्षक, वह करना चाहिए कक्षा में एक समस्या पैदा करने वाले बच्चे को पता चलता है कि पी rovide बच्चे को परामर्श।

**नोट:** शेष विकल्प संदर्भ में अनुपयुक्त हैं क्योंकि वे शिक्षार्थियों में कम आत्मसम्मान और चिंता पैदा कर सकते हैं।

Option 4 : Provide counselling to the child

## Teaching Learning Process MCQ Question 6 Detailed Solution

**Problematic children** are those children who are difficult to raise or educate. They have a tendency to disrupt class as they are not self-controlled. Also, they are infamous for their anti-social behaviour.

- Teacher have to **tackle many problems associated with students** as children with numerous problems of behaviour are found in every educational programme.



### Key Points

In the above-mentioned situation, the **teacher should provide counselling to the child** as it will help the teacher to:

- become more vigilant towards the child.
- recognize the root of the child's problem.
- better relate to child's unacceptable behaviour.
- assist the child with proper guidance in the right way.

Hence it could be concluded that if a teacher finds a problematic child in the class, he should **provide counselling to the child**.

**NOTE:** Remaining options are inappropriate in the context as they could **lead to low self-esteem and anxiety in learners**.

## Teaching Learning Process MCQ Question 7

Which of the following is not related with cognitive domain ?

1. Knowledge
2. Application
3. Valuing
4. Understanding

निम्नलिखित में से कौन संज्ञानात्मक डोमेन से संबंधित नहीं है?

1. ज्ञान
2. आवेदन
3. बातों का महत्व देना
4. सहमति

विकल्प 3: मूल्य निर्धारण

## शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 7 विस्तृत समाधान

बीएस ब्लूम ने एक वर्गीकरण का प्रस्ताव दिया है जो तीन पदानुक्रमित मॉडलों का एक समूह है जो शैक्षिक सीखने के उद्देश्यों के वर्गीकरण को संदर्भित करता है।

ब्लूम के वर्गीकरण ने सीखने के तीन क्षेत्रों की पहचान की:

1. संज्ञानात्मक डोमेन: इसमें ज्ञान और बौद्धिक कौशल का विकास शामिल है।
2. प्रभावी डोमेन: इसमें शामिल है कि हम भावनात्मक रूप से चीजों से कैसे निपटते हैं, जैसे कि भावनाएं, मूल्य, प्रशंसा, आदि।

3. मनोप्रेरणा डोमेन: यह में शारीरिक गतिविधि, समन्वय, और मोटर-कौशल क्षेत्रों के उपयोग includes।



### महत्वपूर्ण बिंदु

**संज्ञानात्मक डोमेन** मानसिक कौशल जो में वर्गीकृत किया जाता शामिल है शिक्षा के छह स्तरों कि बौद्धिक कौशल और अधिग्रहण शक्ति के विकास में सेवा करते हैं।

ब्लूम के वर्गीकरण के अनुसार **संज्ञानात्मक डोमेन**:

- ✓ **याद रखें:** दीर्घकालिक स्मृति से प्रासंगिक ज्ञान प्राप्त करना।
- ✓ **समझें:** मौखिक, लिखित और ग्राफिक संचार सहित निर्देशात्मक संदेशों से अर्थ का निर्माण करें।
- ✓ **लागू करें:** किसी दी गई स्थिति में एक प्रक्रिया को अंजाम देना या उसका उपयोग करना।
- ✓ **विश्लेषण करें:** सामग्री को उसके घटक भागों में तोड़ें और निर्धारित करें कि भाग एक दूसरे से और समग्र संरचना या उद्देश्य से कैसे संबंधित हैं।
- ✓ **मूल्यांकन करें:** मानदंड या मानकों के आधार पर निर्णय लें।
- ✓ **बनाएँ:** एक सुसंगत या कार्यात्मक संपूर्ण बनाने के लिए तत्वों को एक साथ रखें; तत्वों को एक नए पैटर्न या संरचना में पुनर्गठित करना।



### संकेत

✓ **नोट:** मूल्य निर्धारण **भावात्मक डोमेन** से संबंधित है और इसका तात्पर्य व्यवहार की स्वीकृति और इसके प्रति प्रतिबद्धता से है। व्यक्ति कुछ व्यवहारों को इच्छाओं से नहीं बल्कि प्रतिबद्धता से महत्व देता है।

इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि **मूल्य निर्धारण संज्ञानात्मक क्षेत्र से संबंधित नहीं है**

Option 3 : Valuing

**Teaching Learning Process MCQ Question 7 Detailed Solution**

✓ **B.S. Bloom** has proposed a **taxonomy** which is a **set of three hierarchical models** that refers to the classification of **educational learning objectives**.

### **Bloom's Taxonomy Identified Three Domains of Learning:**

- ✓ **1. Cognitive Domain:** It involves knowledge and the development of intellectual skills.
- ✓ **2. Affective Domain:** It includes how we deal with things emotionally, such as feelings, values, appreciation, etc.
- ✓ **3. Psychomotor Domain:** It includes physical movement, coordination, and use of the motor-skill areas.



Please like Share & Subscribe-Easy Notes 4u Online Study

### **Important Points**

The **cognitive domain** involves mental skills which are categorized into **six levels of learning** that serve in the development of intellectual skills and acquisition power.

### **The cognitive domains as per Bloom's taxonomy:**

- ✓ **Remember:** Retrieving the relevant knowledge from long-term memory.
- ✓ **Understand:** Construct meaning from instructional messages, including oral, written, and graphic communication.
- ✓ **Apply:** Carry out or use a procedure in a given situation.
- ✓ **Analyze:** Break material into its constituent parts and determine how the parts relate to one another and to an overall structure or purpose.
- ✓ **Evaluate:** Make judgments based on criteria or standards.
- ✓ **Create:** Put elements together to form a coherent or functional whole; reorganizing elements into a new pattern or structure.



**Hint**

**NOTE:** Valuing is related to **affective domain** and it refers to the **acceptance of behavior and commitment to it**. One values certain behaviors not by desires but by commitment.

Hence, it could be concluded that **valuing is not related with the cognitive domain**.

## Teaching Learning Process MCQ Question 8

Co-curricular activities are mostly related to

1. Mental development of students
2. All round development of students
3. Development of educational institutions
4. Professional development of students

सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ अधिकतर से संबंधित हैं

1. छात्रों का मानसिक विकास
2. छात्रों का सर्वांगीण विकास
3. शिक्षण संस्थानों का विकास
4. छात्रों का व्यावसायिक विकास

विकल्प 2: छात्रों का सर्वांगीण विकास

## शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 8 विस्तृत समाधान

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ उन गतिविधियों को संदर्भित करती हैं जो छात्रों के कक्षा सीखने के अनुभवों को पूरक करती हैं, शायद स्कूल परिसर के अंदर या बाहर भी आयोजित की जाती हैं। एक बच्चे के समय विकास के सह पाठ्यक्रम गतिविधियों की मांग पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना है।

सह पाठ्यक्रम गतिविधियों ज्यादातर से जुड़े हुए हैं छात्रों के सर्वांगीण विकास के रूप में सह-curricular गतिविधियों से सार्थक सीखने बनाने:

- शिक्षार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना।
- विषयों के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करना।
- शिक्षार्थियों को सैद्धांतिक अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप से लागू करना।
- नियमित क्लासवर्क से परे गतिविधियों में रुचि को उत्तेजित करना।

सह पाठ्यक्रम गतिविधियों में शामिल हैं:

- सामाजिक कल्याण गतिविधियाँ
- पार्को और संग्रहालयों का दौरा
- भ्रमण और खेल गतिविधियाँ
- पोस्टर मेकिंग और ड्रामा में भागीदारी
- विज्ञान क्लबों और संघों आदि में भागीदारी।

इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ ज्यादातर छात्रों के सर्वांगीण विकास से संबंधित हैं ।

Option 2 : All round development of students

## Teaching Learning Process MCQ Question 8 Detailed Solution

**Co-curricular activities** refer to the activities that **complement the classroom learning experiences of students**, maybe organized inside or even outside of the school premises. The **overall development of a child demands co-curricular activities** to be included in the curriculum.

Co-curricular activities are mostly related to **the all-round development of students** as **co-curricular activities make learning meaningful by:**

- ensuring the overall development of learners.
- providing a practical approach towards the topics.



## Please like Share & Subscribe-Easy Notes 4u Online Study

- making learners apply theoretical concepts practically.
- stimulating interest in activities beyond routine classwork.

### Co-curricular activities include:

- ① • Social welfare activities
- ② • Visiting parks and museums
- ③ • Excursion and sports activities
- ④ • Involvement in poster making and dramas
- Participation In Science Clubs And Associations, etc.

code

Hence, it could be concluded that **co-curricular activities** are mostly related to **all-round development of students**.

## Teaching Learning Process MCQ Question 9

Who is basically linked with 'FIACS'?



1. Flander
2. Morrison
3. Herbert
4. Lippitt

मूल रूप से 'FIACS' से कौन जुड़ा हुआ है?

1. फ्लैंडर
2. मॉरिसन
3. हर्बर्ट
4. लिपिट

विकल्प 1: फ्लैंडर

## शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 9 विस्तृत समाधान

### फ्लैंडर्स इंटरैक्शन एनालिसिस कैटेगरी सिस्टम (FIACS) ✓

- ✓ यह (FIACS) तकनीक डॉ. नेड ए. फ्लैंडर द्वारा विकसित की गई थी।
- ✓ यह एक अवलोकन तकनीक है जो दस श्रेणियों में कक्षा की बातचीत को रिकॉर्ड करती है।
- ✓ यह प्रणाली केवल शिक्षकों के मौखिक व्यवहार को मापती है।
- ✓ अंतःक्रिया विश्लेषण मुख्य रूप से शिक्षक के प्रभाव पैटर्न के विश्लेषण से संबंधित है और शिक्षक के उन कार्यों को अलग करता है जो विद्यार्थियों की कार्यवाही की स्वतंत्रता को उन कृत्यों से बढ़ाते हैं जो इसे कम करते हैं।

### श्रेणियों का विवरण:

फ्लैंडर्स दस श्रेणी प्रणाली में, कक्षा में होने वाली सभी घटनाओं को तीन प्रमुख वर्गों में वर्गीकृत किया जाता है:

1. शिक्षक-बात, ✓
2. छात्र-बात, ✓
3. मौन या भ्रम। ✓

शिक्षक-शिष्य बातचीत के कुल पैटर्न को और अधिक सार्थक बनाने के लिए इन वर्गों को उप-विभाजित किया गया है।

1) शिक्षक वार्ता को दो उप-शीर्षों में विभाजित किया गया है, अप्रत्यक्ष प्रभाव और प्रत्यक्ष प्रभाव। ✓ ✓

1. अप्रत्यक्ष प्रभाव में चार अवलोकन श्रेणियां शामिल हैं:

- ✓ 1. भावना को स्वीकार करना
- ✓ 2. प्रशंसा करना या प्रोत्साहित करना
- ✓ 3. विचारों को स्वीकार करना
- ✓ 4. सवाल पूछ रही है

2. प्रत्यक्ष प्रभाव को तीन श्रेणियों में बांटा गया है:

1. व्याख्यान
2. निर्देश देने,
3. अधिकार की आलोचना या औचित्य।

2) विद्यार्थी वार्ता में केवल दो श्रेणियां होती हैं:

1. शिक्षक को जवाब
2. बातचीत शुरू करना

3) अंतिम श्रेणी जो मौन या भ्रम है जो किसी और चीज को संभालने के लिए उपयोग की जाती है जो शिक्षक या छात्र की बात नहीं है।

इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि Flander मूल रूप से जुड़ा हुआ है 'FIACS'।

Please like Share & Subscribe-Easy Notes 4u Online Study

Option 1 : Flander

## Teaching Learning Process MCQ Question 9 Detailed Solution

### Flanders Interaction Analysis Categories System (FIACS)

- This (FIACS) technique was developed by Dr. **Ned A. Flander**.
- It is an observation technique that **records classroom interaction** in ten categories.
- This system measures only the **verbal behavior of teachers**.
- Interaction analysis is primarily concerned with **analyzing the influence patterns of the teacher** and distinguishes those acts of the teacher which increases **pupils' freedom of action from those acts that decrease it**.

### Description of Categories:

In the Flanders ten category system, all the events that occur in the classroom are classified into **three major sections**:

1. **Teacher-talk,**

2. **Student-talk,**

3. **Silence or confusion.**

These sections are subdivided in order to make the total pattern of teacher-pupil interaction more meaningful.

**1) Teacher talk is divided into two sub-heads viz., indirect influence, and direct influence.**

**1. Indirect influence consists of four observation categories:**

1. accepting feeling
2. praising or encouraging
3. accepting ideas
4. asking questions

**2. Direct influence is divided into three categories:**

1. lecturing
2. giving directions,
3. criticizing or justifying authority.

**2) Student talk consists of only two categories:**

1. responding to the teacher
2. initiating talk

3) the last category which is **silence or confusion** used to **handle anything else that is not the teacher or student talk.**

Hence, it could be concluded that **Flander** is basically linked with '**FIACS**'.

## Teaching Learning Process MCQ Question 10

\_\_\_\_\_ is a very detailed and specific plan consisting of intended learning outcomes, description of teaching – learning strategies and activities and actual tool for assessment of learning outcome

1. Unit plan ✓
2. Yearly plan
3. Lesson plan ✓
4. Both A and C

\_\_\_\_\_ एक बहुत विस्तृत और विशिष्ट योजना है जिसमें सीखने के इच्छित परिणाम, शिक्षण-अधिगम रणनीतियों और गतिविधियों का विवरण और सीखने के परिणाम के आकलन के लिए वास्तविक उपकरण शामिल हैं।

1. इकाई योजना ✓
2. वार्षिक योजना
3. शिक्षण योजना ✓
4. ए और सी दोनों

विकल्प 4: A और C दोनों

## शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 10 विस्तृत समाधान

नियोजन किसी विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्रवाई के चरणों का एक क्रम तैयार कर रहा है। यदि आप इसे प्रभावी ढंग से करते हैं, तो आप लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक समय और प्रयास को काफी कम कर सकते हैं।

- अनुशासनात्मक शब्दों में नियोजन को 'प्रबंधन तकनीक' कहा जाता है। एक योजना एक नक्शे की तरह है। किसी योजना का पालन करते समय, आप हमेशा देख सकते हैं कि आपने अपने लक्ष्य की ओर कितनी प्रगति की है और आप अपने गंतव्य से कितनी दूर हैं। कहां जाना है या आगे क्या करना है, इस पर अच्छे निर्णय लेने के लिए यह जानना आवश्यक है कि आप कहां हैं।



## प्रमुख बिंदु

### ✓ वर्ष योजना:

- यह संपूर्ण पाठ्यचर्या की कई इकाइयों की रूपरेखा है और पाठ्यचर्या को साकार करने के लिए आवश्यक समय भी है। वर्ष की शुरुआत में, आपका पहला कार्य एक विषय में शामिल की जाने वाली इकाइयों और पूरे वर्ष में प्रत्येक इकाई के लिए उपलब्ध अवधियों पर विचार करके पूरे वर्ष की योजना बनाना है। आपको सामग्री का विश्लेषण करने और शिक्षण-अधिगम, संशोधन और परीक्षण के लिए योजना बनाने की आवश्यकता है। जब आप प्रत्येक इकाई के लिए समय आवंटित करते हैं तो आपको छुट्टियों और छुट्टियों पर भी विचार करना होगा।

### • इकाई योजना:

- इकाई उप-इकाइयों को निर्धारित करने के बाद कार्रवाई के कार्यक्रम की रूपरेखा है। यह एक विस्तृत योजना है जिसमें सीखने के इच्छित परिणामों, शिक्षण-अधिगम रणनीतियों और गतिविधियों, और सीखने के परिणामों के लिए मूल्यांकन उपकरण शामिल हैं। इकाई योजना तैयार करते समय इकाई और उसकी उप-इकाइयों का विस्तृत विश्लेषण आवश्यक है।

### • शिक्षण योजना:

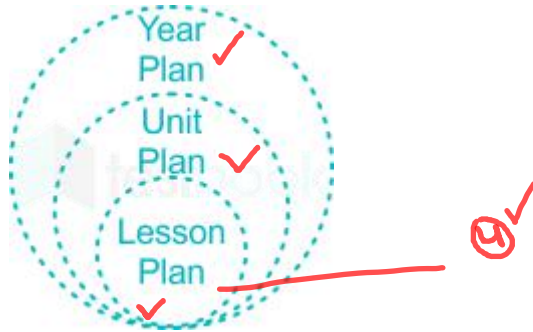
- एक पाठ योजना एक विशेष अवधि के लिए होती है और आपके स्कूल के कार्यक्रम के अनुसार 30/40 मिनट की हो सकती है। यह एक बहुत विस्तृत और विशिष्ट योजना है जिसमें अभीष्ट सीखने के परिणाम, शिक्षण-अधिगम रणनीतियों और गतिविधियों का विवरण और सीखने के परिणामों के आकलन के लिए एक वास्तविक उपकरण शामिल है।



## कन्फ्यूजन पॉइंट्स

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इकाई और पाठ योजना के बीच का अंतर यह है कि एक पाठ योजना में, एक अध्याय को ध्यान में रखा जाता है, जबकि एक इकाई योजना में, उप-इकाइयों (या उप-अध्याय) को ध्यान में रखा जाता है।

- पाठ योजना, इकाई योजना और वर्ष योजना के बीच संबंध।



इसलिए, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उपरोक्त कथन इकाई और पाठ योजना दोनों के बारे में है।

Please like Share & Subscribe-Easy Notes 4u Online Study

Option 4 : Both A and C

### Teaching Learning Process MCQ Question 10 Detailed Solution

**Planning** is preparing a sequence of action steps to achieve some specific goal. If you do it effectively, you can reduce much the necessary time and effort of achieving the goal.

- In disciplinary terms, planning is referred to as a '**management technique**'. A plan is like a map. When following a plan, you can always see how much you have progressed towards your goal and how far you are from your destination. Knowing where you are is essential for making good decisions on where to go or what to do next.



### Key Points

- **Year Plan:**
  - It is an outline of many units of the whole curriculum and also the time required to realize the curriculum. At the very beginning of the year, your first task is to plan for the whole year by considering the units to be covered in a subject and the number of periods available for each unit in the whole year. You need to analyze the content and plan for teaching-learning, revising, and testing. You also have to consider the holidays and vacations when you allot the time for each unit.

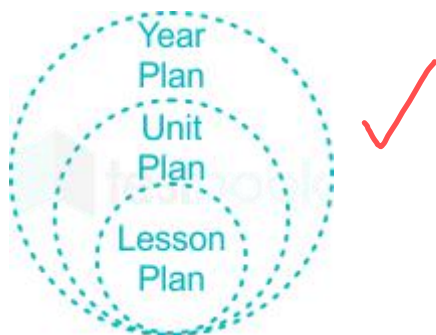
- **Unit Plan:**
  - The unit is an outline of the program of action after determining the subunits. **It is a detailed plan which consists of intended learning outcomes, teaching-learning strategies and activities, and assessment tools for the learning outcomes.** A detailed analysis of the unit and its sub-units is required while preparing the unit plan.
  
- **Lesson Plan:**
  - A lesson plan is for a particular period and may be of 30/40 minutes as per your school schedule. It is a very **detailed and specific plan consisting of intended learning outcomes, a description of teaching-learning strategies and activities, and an actual tool for assessment of the learning outcomes.**



### Confusion Points

It should be noted that the difference between the unit and the lesson plan is that in a lesson plan, a single chapter is taken into consideration, while in a unit plan, subunits (or subchapters) are taken into consideration.

- Relationship between lesson plan, unit plan, and year plan.



Hence, we conclude that the above statement is about **both unit and lesson plan.**



A suitable method of teaching primary class children is

1. Trial and error method
2. Imitation method
3. Lecture method
4. Play-way method

प्राथमिक कक्षा के बच्चों को पढ़ाने का एक उपयुक्त तरीका है

1. परीक्षण और त्रुटि विधि
2. नकली विधि
3. व्याख्यान विधि
4. प्ले-वे विधि

like

विकल्प 4 : प्ले-वे विधि

शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 11 विस्तृत समाधान

✓ शिक्षण विधि का एक तरीका है व्यवहार में सिद्धांत डाल सिद्धांतों, अध्यापन, और प्रबंधन रणनीति की मदद से। यह शिक्षकों को पाठ की योजना बनाने और सुसंगत रूप से प्रस्तुत करने में मदद करता है।

✓ कर रहे हैं के विभिन्न प्रकार के शिक्षण -learning तरीकों जो एक सीखने बनाता उपयोगी प्रक्रिया और 'खेल जिस तरह से विधि' उनमें से एक है

प्ले वे मेथड की शुरुआत पहले 'एच. काल्डवेल कुक' ने की थी और बाद में इसे 'फ्रेडरिक फ्रोबेल' ने दुनिया में लोकप्रिय बनाया। यह सीखने को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विषय की समझ को सुनिश्चित करता है।

- यह विकास और वृद्धि के मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है क्योंकि खेल के माध्यम से सीखने के दौरान किसी व्यक्ति की वृद्धि (शारीरिक परिवर्तन) और विकास (समग्र परिवर्तन, संरचना और आकार) हो सकता है।

- प्ले-वे विधि एक संपूर्ण पैकेज है जो भावनाओं, बुद्धि और कौशल मापदंडों के संदर्भ में बच्चे के समय विकास को सक्षम बनाता है।



### महत्वपूर्ण बिंदु

प्ले वे मेथड प्राथमिक या निचली कक्षाओं के लिए शिक्षण की एक विधि है जो इस पर जोर देती है:

- ✓ बच्चों के समय विकास को सक्षम करना।
- ✓ बच्चों को समृद्ध, सार्थक और संतुलित शिक्षा प्रदान करना।
- ✓ उपयुक्त खेलों को शामिल करके नीरस कक्षा के वातावरण को हटाना।
- ✓ बच्चों को फिट रखने और बीमारियों से लड़ने के लिए विकास और वृद्धि के मनोवैज्ञानिक सिद्धांत को बढ़ावा देना।

इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्राथमिक कक्षा के बच्चों को पढ़ाने का एक उपयुक्त तरीका 'प्ले-वे पद्धति' है।

Please like Share & Subscribe-Easy Notes 4u Online Study

Option 4 : Play-way method

### Teaching Learning Process MCQ Question 11 Detailed Solution

The **teaching method** is a way to **put theory in practice** with the help of principles, pedagogy, and management strategies. It helps the teachers to **plan and present the lesson coherently**.

There are **different kinds of teaching-learning methods** which makes learning a **fruitful process** and the '**Play way method**' is one of them

**Play way method** is first originated by '**H.Caldwell Cook**' and later popularized by '**Friedrich Froebel**' in the world. It ensures the **understanding of the subject** to make learning more effective.

- It is based on **psychological principles of development and growth** because the **growth** (physical changes) and **development** (overall changes, structure, and shape) of an individual can take place while learning through play.
- The play-way method is a complete package that **enables the overall development of the child** by developing in terms of feelings, intellect, and skills parameters.



## Important Points

**Play way method** is a method of teaching for **primary or lower classes** which emphasizes upon:

- enabling the **overall development** of the child.
- providing children with rich, meaningful and balanced learning.
- removing the monotonous classroom environment by incorporating appropriate games.
- promoting the **psychological principle of development and growth** to keep the child fit and fight diseases.

Hence, it could be concluded that a suitable method of teaching primary class children is the '**Play-way method**'.

Please like Share & Subscribe-Easy Notes 4u Online Study  
Teaching Learning Process MCQ Question 12

✓ **Repeatedly asking children to engage in learning activities either to avoid punishment or to gain a reward**

1. decreases extrinsic motivation.
2. increases intrinsic motivation.
3. would encourage children to focus on mastery rather than performance goals.
4. decreases children's natural interest and curiosity involved in learning. ✓

✓ **बच्चों को बार-बार सीखने की गतिविधियों में शामिल होने के लिए कहना या तो सजा से बचने के लिए या इनाम पाने के लिए**

1. बाहरी प्रेरणा को कम करता है।
2. आंतरिक प्रेरणा को बढ़ाता है।
3. बच्चों को प्रदर्शन लक्ष्यों के बजाय महारत पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
4. सीखने में शामिल बच्चों की स्वाभाविक रुचि और जिज्ञासा को कम करता है। ✓

विकल्प 4 : सीखने में शामिल बच्चों की स्वाभाविक रुचि और जिज्ञासा को कम करता है।

## शिक्षण सीखने की प्रक्रिया एमसीक्यू प्रश्न 12 विस्तृत समाधान

छात्र अपने आसपास की दुनिया के बारे में अपने ज्ञान और विचारों के साथ कक्षा में आते हैं। वे जिज्ञासा से प्रेरित होते हैं और चीजों को देखते रहते हैं, सहसंबंध करते हैं, अनुमान लगाते हैं और सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हैं। ऐसा करने के तरीकों में कक्षा चर्चा, समूह जांच, और अन्य सहयोगी कार्य जैसे समाचार पत्रों, इंटरनेट, पेशेवरों, लोगों, सामान्य रूप से जानकारी एकत्र करना आदि शामिल हो सकते हैं।

**जिज्ञासा** एक प्राकृतिक प्रवृत्ति है जिसका अर्थ है कि अनुसंधान और बातचीत के माध्यम से किसी चीज़ के बारे में अधिक जानना चाहते हैं। यह बच्चों को नई जानकारी प्राप्त करने, अपने पर्यावरण और अपने आसपास के लोगों के साथ बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह वृत्ति व्यक्तिगत विकास को भी उत्तेजित करती है।



### प्रमुख बिंदु

जब आप बार-बार बच्चों को केवल सजा से बचने या पुरस्कार प्राप्त करने के लिए सीखने की गतिविधियों में संलग्न होने के लिए कहते हैं, तो इससे **बच्चों की स्वाभाविक रुचि और उनके सीखने के अनुभवों** में शामिल **जिज्ञासा कम** हो जाएगी ।



### महत्वपूर्ण बिंदु

**बच्चों में जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने के लिए युक्तियाँ:**

- **एक अच्छे रोल मॉडल बनें:** आपका बच्चा वह सब कुछ करता है जो वह आपको करते हुए देखता है। इसलिए उनकी जिज्ञासा को बढ़ाने के लिए इस व्यवहार का लाभ उठाएं।
- **अपने बच्चे की रुचि को प्रोत्साहित करें:** आपके बच्चे की जिज्ञासा उसे स्वाभाविक रूप से उन विषयों और विषयों की ओर ले जाएगी जो उनकी रुचि के हैं।
- **अपने बच्चे को जिज्ञासा के साधन दें :** अपने बच्चों को अपनी जिज्ञासा को स्वयं आगे बढ़ाने की क्षमता दें। अपने घर पर पुस्तकों का एक अच्छा स्टॉक बनाने के साथ-साथ उन्हें स्थानीय पुस्तकालय में सदस्यता प्राप्त करने का प्रयास करें।

- **अपने बच्चे को गलतियाँ करने दें:** माता-पिता के रूप में, हमारी प्रवृत्ति अपने बच्चों को निराश, आहत, हतोत्साहित या अस्वीकार करने से रोकने की होती है। लेकिन गलतियाँ करना और खुद को फिर से ऊपर खींचना आपके बच्चे को जिज्ञासु और लचीला बनाए रखता है।
- **बोरियत से लड़ें:** आपका बच्चा आपसे सीखता है। जब आप किसी गतिविधि या स्थिति को "उबाऊ" के रूप में लेबल करते हैं तो वे भी वही सीखेंगे।
- **उन्हें निरीक्षण करना सिखाएं:** जब आप उनके साथ हों तो उन्हें अपने चारों ओर देखने के लिए प्रोत्साहित करें और उन चीजों को नोटिस करें जो दिलचस्प, रहस्यमय, रोमांचक आदि लगती हैं। उन्हें छोटे विवरणों को देखना सिखाएं, न कि केवल बड़ी तस्वीर को।
- **जिज्ञासा के प्रभाव के बारे में अपने बच्चे से बात करें:** अपने बच्चे को समझाएं कि हमारे जीवन में कितनी चीजें उस विषय के बारे में किसी की जिज्ञासा से पैदा होती हैं।
- **खेलने के लिए ओपन-एंडेड सामग्री दें:** खिलौनों के साथ, जिनके साथ खेलने के लिए विशिष्ट तरीके हैं, अपने बच्चे को रेत, कला और शिल्प की आपूर्ति, खाली बक्से, ब्लॉक जैसी खुली सामग्री दें, जिनका वे किसी भी तरह से उपयोग कर सकते हैं।

इसलिए, हम कह सकते हैं कि बच्चों को बार-बार सीखने की गतिविधियों में शामिल होने के लिए या तो सजा से बचने के लिए या पुरस्कार पाने के लिए कहने से बच्चों की स्वाभाविक रुचि और सीखने में शामिल जिज्ञासा कम हो जाती है।

Option 4 : decreases children' s natural interest and curiosity involved in learning.

## Teaching Learning Process MCQ Question 12 Detailed Solution

Students come to the class with their own knowledge and ideas about the world around them. They are driven by curiosity and keep observing things, correlating, guessing, and exchanging information. Ways of doing this could include class discussions, group investigation, and other collaborative work like gathering information from newspapers, the internet, professionals, people, in general, and so on.

**Curiosity** is the natural instinct that implies wanting to know more about something through research and interaction. It encourages children to seek new information, interact with their environment and the people who surround them. This instinct also stimulates personal growth.



Please like Share & Subscribe-Easy Notes 4u Online Study

**Key Points**

When you repeatedly ask children to engage in learning activities just to avoid punishment or to gain a reward eventually it will **decrease children's natural interest and curiosity** involved in their learning experiences.



### Important Points



Search

#### Tips to Encourage Curiosity in Children:

- **Be a good role model:** Your child does everything he or she sees you doing. So take advantage of this behaviour to increase their curiosity.
- **Encourage your child's interest:** Your child's curiosity will lead him or her naturally towards subjects and topics that are of interest to them.
- **Give your child curiosity tools:** Give your kids the ability to pursue their curiosity on their own. Try to build a good stock of books at your home as well as getting them membership in the local library.
- **Let your child make mistakes:** As parents, our tendency is to prevent our kids from feeling disappointed, hurt, discouraged, or rejected. But making mistakes and pulling themselves up again keeps your child curious and resilient.
- **Fight boredom:** Your child learns from you. When you label any activity or situation as "boring" they too will learn that only.
- **Teach them how to observe:** When you are with them encourage them to look around themselves and notice things that seem interesting, mysterious, exciting, etc. Teach them to look for the small details also and not just the big picture.
- **Talk to your child about the impact of curiosity:** Explain to your child how so many of the things that are staples in our lives are born out of someone's curiosity about that subject.
- **Give open-ended materials to play:** Along with toys that have specific ways to be played with give your child open-ended materials like sand, arts and craft supplies, empty boxes, blocks that can be used in any way they want.

Please like Share & Subscribe-Easy Notes 4u Online Study

Therefore, we can say that repeatedly asking children to engage in learning activities either to avoid punishment or to gain a reward decreases children's natural interest and curiosity involved in learning.

2:50 - Unit wise MT  
8:30 - Class  
Paper-2 ✓